

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र—2019

नृत्य कला
केवल प्रश्न—पत्र
कक्षा—12

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 50

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

- नोट :-** (i) खण्ड—क में कुल 5 बहुविकल्पीय और 5 रिक्त स्थानों की पूर्ति के प्रश्न हैं प्रत्येक के लिये 2 अंक निर्धारित हैं।
(ii) खण्ड—ख में लघुउत्तरीय प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिये 3 अंक निर्धारित हैं।
(iii) खण्ड—ग में दीर्घउत्तरीय प्रश्न हैं, जिसमें से किन्ही 3 प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक के लिये 6 अंक निर्धारित हैं।

खण्ड—क

(प्रथम भाग)

निम्नलिखित 5 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, प्रत्येक के चार विकल्प हैं। सही विकल्प का चयन करिये—

2×5=10

1— इनमें से कौन एक मुद्रा है?

- | | |
|-------------|--------------|
| (अ) अन्वित | (ब) पताका |
| (स) घुमरिया | (द) प्रब्यंग |

2— इनमें से कौन सा सम का चिन्ह है?

- | | |
|-------|-------|
| (अ) 0 | (ब) 1 |
| (स) × | (द) 2 |

3— इनमें से कौन जयपुर घराने के आधुनिक प्रतिनिधि हैं—

- | | |
|-------------------|-----------------|
| (अ) भानजी महाराज | (ब) रोशन कुमारी |
| (स) दुर्गा प्रसाद | (द) मान जी |

4— रस कितने होते हैं?

- | | |
|-------|--------|
| (अ) 8 | (ब) 11 |
| (स) 7 | (द) 10 |

5— लय कितने प्रकार की होती है?

- | | |
|-------|-------|
| (अ) 4 | (ब) 3 |
| (स) 5 | (द) 1 |

खण्ड—क

(द्वितीय भाग)

निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

2×5 =10

6— अच्छन महाराज घराने से सम्बन्धित हैं।

7— धमार ताल से मात्रायें होती हैं।

8— नृत्य के कुल प्रमुख घराने होते हैं।

9— सात्विक हैं।

10— कुल प्रमुख थाट हैं।

खण्ड—ख

11— आंगिक एवं आवर्तन की परिभाषा लिखिये।

3×4 =12

12— तबला के अंगों का वर्णन कीजिये।

- 13— तत्कार एवं तोड़ा से आप क्या समझते हैं?
- 14— झपताल में एक आमद दुगुन लय में लिखिये।

खण्ड—ग

6×3 =18

- 15— जयपुर घराना तथा लखनऊ घराना की विशेषताओं को समझाइये।
दोनों घरानों की तुलना कीजिये।
- 16— निम्नलिखित में किसी एक कलाकार की जीवनी लिखिये—
(क) गोपीनाथ
(ख) सोनल मान सिंह
(ग) शंभू महाराज
- 17— “नृत्य और जीवन” विषय पर निबन्ध लिखिये।
- 18— निम्नलिखित में से किन्हीं 3 हस्त मुद्राओं के बारे में लिखिये—
(i) शिव हस्त
(ii) ब्रह्म हस्त
(iii) सरस्वती हस्त
(iv) इन्द्र हस्त
- 19— धमार ताल में एक चक्करदार टुकड़ा तथा झपताल में एक सादा टुकड़ा लिपिबद्ध कीजिये।
